RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY

May 2025

NEWSPAPER CLIPPINGS

हिन्दुस्तान

5th May 2025

पारदर्शी परीक्षा को चुनौती दे रहे नकलची

डीयू में इस साल लगभग 1000 छात्र पकड़े गए, स्मार्ट वॉच-फोन के साथ एआई टूल्स का भी कर रहे इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के तमाम प्रयासों के बावजूद, परीक्षाओं में नकल का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बार की परीक्षा में लगभग 1000 नकलची पकड़े गए, जिनमें से 20 प्रतिशत से अधिक ने हाईटेक यानी स्मार्ट तरीकों से नकल करने की कोशिश की।

इन छात्रों ने स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ ईयर बड्स, मोबाइल फोन और यहां तक कि 'मैजिक पेन' जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया। यही नहीं छात्र चैटजीटीपी सहित तमाम एआई टूल का भी उपयोग कर रहे हैं। परीक्षा शाखा के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल जो नकल के केस सामने आए हैं, उनमें कई जानबूझकर और सुनियोजित थे। कई मामलों में छात्रों को नकल के दंड की पूरी जानकारी थी और उन्होंने उसी को ध्यान में रखते हुए कम से कम सजा वाले तरीकों का चयन किया था।

डीयू ने नकल करते पकड़े जाने पर दंड के प्रावधान को ए से एफ श्रेणी के बीच उसकी गंभीरता के अनुरूप बांटा गया है। नकल की प्रवृत्ति के अनुसार दंड का प्रावधान है। इसमें एक सेमेस्टर से कक्षा से बाहर करने से लेकर विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रतिबंधित करने तक का प्रावधान है। अधिकारी का कहना है कि ऐसा देखा गया है कि यदि किसी छात्र के पास मोबाइल पकड़ा गया और उसे जब्त किया और बाद में उसे साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है वह खाली होता है। क्योंकि चालाक छात्र जिस मेल आईडी से मोबाइल संचालित करते हैं पकड़े जाने पर बाद में दूसरे फोन या लैपटॉप से उसकी सामग्री को मेल के माध्यम से मिटा देते हैं। ऐसे में छात्र की सजा साक्ष्य के अभाव में कम हो जाती है। चौथे वर्ष में प्रवेश दिए जाने का स्वागत : दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से शैक्षणिक सत्र 2025-26 से स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा-2022 के अंतर्गत समस्त विद्यार्थियों को चौथे वर्ष (सप्तम सत्र) में प्रवेश दिए जाने का डीयू छात्रसंघ पदाधिकारियों ने स्वागत किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नीत डूसू ने कहा कि निरंतर किए गए प्रदर्शनों और संघर्षों के चलते यह निर्णय लिया गया है।

हिन्दुस्तान

5th May 2025

नकल के छह अलग-अलग स्तर और दंड

1 सेक्शन एः इसके तहत हल्की अनियमितताएं को चिह्नित किया गया है। जैसे परीक्षा में बात करना या उत्तर पुस्तिका में पहचान चिह्न बनाना। उत्तर पुस्तिका या नोट्स साथ लाना, लेकिन उपयोग न करना आदि है। इसके लिए छात्र को उस पेपर में शून्य अंक दिया जा सकता है।

2 सेक्शन बी: इसमें मध्यम अनियमितताएं आती है। जैसे परीक्षा कक्ष से आधे घंटे के अंदर बाहर निकलना, नकल का प्रयास करना या सहायता देना आदि। इसमें दंड के तौर पर छात्र का पूरा सेमेस्टर रद्द किया जा सकता है या अगली परीक्षा के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है।

3 सेक्शन सीः इसके तहत गंभीर अनुचित कार्य होते हैं। जैसे उत्तर पुस्तिका जमा किए बिना बाहर जाना, स्टाफ से झगड़ा करना, गाली देना या उत्तर पुस्तिका फाड़ना, नकल सामग्री को निगलना या नष्ट करना है। इसमें दंड स्वरूप पूरा सेमेस्टर रद्द करना और दो सेमेस्टर तक परीक्षा से वर्जित करना है।

4 सेक्शन डी: इसके तहत उत्तर पुस्तिका में छेड़छाड़, परीक्षा के बाद उत्तर जोड़ना या उत्तर पुस्तिका बदलना शामिल है। इसमें दंड स्वरूप सेमेस्टर परीक्षा रद्द या तीन सेमेस्टर तक प्रतिबंधित करने की सजा है।

5 सेक्शन ई: इसके तहत गंभीर अनुशासनहीनता या धोखाधड़ी के मामले आते हैं इसमें किसी और को अपनी जगह परीक्षा में बैठाना या स्वयं किसी और की जगह बैठना आदि शामिल है। इसमें सजा के तौर पर पांच सेमेस्टर तक प्रतिबंधित किया जा सकता है।

6 सेक्शन एफः इसके तहत उकसाना, हिंसा और जालसाजी है। इसमें हथियार से हमला करना, स्टाफ को नुकसान पहुंचाना, उत्तर क पुस्तिका में फर्जी हस्ताक्षर करना आदि है। इसके तहत अभ्यर्थी को नौ सेमेस्टर तक प्रतिबंधित किया जा सकता है।

इन उपकरणों का कर रहे इस्तेमाल

स्मार्ट वॉच छात्र इनमें नोट्स सेव करके परीक्षा के दौरान समय देखने के बहाने उत्तर पढ़ते हैं।

ब्लूटूथ ईयर बड्स बाहर बैठा व्यक्ति उत्तर पढ़ता है और छात्र उसे सुनते हैं।

मोबाइल फोन कई छात्र शर्ट या कुर्ते के अंदर विशेष जेब में मोबाइल छुपा कर लाते हैं।

मैजिक पेन पेन में छुपे कैमरे या स्क्रीन के जरिए उत्तर देखने की कोशिश की जाती है

5th May 2025

दैनिक जागरण

शिक्षकों ने उठाई पूरी तदर्थ सेवा काउंट की मांग

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों में हाल ही में स्थायी नियुक्त हुए सहायक प्रोफेसरों ने अपनी पूरी तदर्थ सेवा को काउंट कराने की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। फोरम आफ एकेडेमिक्स फार सोशल जस्टिस के तत्वावधान में हुई आनलाइन बैठक में 200 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया और यह तय किया कि डूटा चुनाव में "पूरी सेवा काउंट को मुख्य मुद्दा बनाया जाएगा। बैठक में हंसराज, अरबिंदो, श्रीराम कालेज, दौलतराम, किरोड़ीमल, मिरांडा हाउस समेत कई कालेजों के शिक्षकों ने भाग लिया।

(जासं)

छात्रों के भ्रम के बाद यूजीसीएफ के लिए डीयू ने जारी की अधिसूचना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

2022 में डीयू में लागू किया गया है यूजीसीएफ, एबीवीपी ने जताया हर्ष

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक अधिसूचना जारी कर शैक्षणिक सत्र 2025-26 से स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा 2022 (यूजीसीएफ 2022) के अंतर्गत सभी छात्रों को चौथे वर्ष में प्रवेश देने के लिए एक अधिसूचना जारी की है। छात्रों को चौथे वर्ष में प्रवेश को लेकर भ्रम बना हुआ था। छात्रों को लग रहा था कि तीन साल में ही उनकी डिग्री पूरी हो जाएगी। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट कर दिया है कि जो छात्र चौथे वर्ष में प्रवेश लेना चाहते हैं। वह प्रवेश ले सकते हैं। एबीवीपी लंबे वक्त इसे स्पष्ट करने की मांग कर रही थी।

डीयू ने 2022 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यूजीसीएफ की शुरुआत की है। इसके तहत छात्र एक साल बाद ही प्रवेश से बाहर आसकते हैं। इसमें उसे सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। दो साल में निकलता है तो डिप्लोमा मिलेगा। तीसरे साल में छात्र डिग्री कर बाहर निकल सकते हैं। चौथे साल में उन्हें स्नातक आनर्स की डिग्री शोध के साथ जाएगी। इसी चौथे साल में प्रवेश को लेकर छात्रों में भ्रम था। डीयू ने जारी अधिसूचना में कहा है कि यूजीसीएफ 2022 के तहत नामांकित सभी छात्र शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से अपने द्वारा किए जा रहे संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों के चौथे वर्ष में सेमेस्टर सात में आगे बढ़ेंगे। इसके तहत नामांकित छात्र की सेमेस्टर छह से सेमेस्टर सात तक की प्रगति सार्वभौमिक है, जो समय-समय पर लागू पदोन्नति नियमों के अधीन है, और किसी भी तरह से रोकी नहीं जा सकती है।

RAMANUJAN COLLEGE · UNIVERSITY OF DELHI

5th May 2025

TIMES OF INDIA

DU PORTAL TO DISPLAY INTERNAL, CONTINUOUS ASSESSMENT MARKS

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Starting new semester, students at Delhi University (DU) will be able to view their actual marks for internal assessment (IA) and continuous assessment (CA) directly on the Samarth portal, addressing a longstanding demand for greater transparency in evaluation process. the Until now, IA and CA marks were not uploaded to the portal. Students had to wait for the final result, which displayed only grades, to get an idea of their academic performance. With this new change, students will be able to view their marks for the ongoing semester's IA and CA ahead of the final results. Colleges have already begun uploading the marks on the portal. Students will be able to access them after the conclusion of the semester-end examinations, which are scheduled to begin on May 13. "We used to receive several complaints from students claiming they were falsely marked as failed or absent in internal assessments and practical's, de spite having appeared for them. With this step, that issue will be resolved. Teachers will upload the actual marks, and students will be able to view them thro-ugh their dashboard on the Samarth portal," a university official said. The move is aimed at helping students under stand how they were evaluated throughout the semester a concern many have raised due to the lack of clarity in academic performance reporting. The decision was finalized during a meeting held last week between Vice Chancellor Yogesh Singh and the principals of all DU colleges. Officials familiar with the matter, speaking on condition of anonymity, said colleges were directed to implement the new policy without delay. However, the final ex-amination marks will continue to be displayed ingrate format on official mark sheets, the official added. Internal assessment and continuous assessment are evaluation methods carried out during the semester through class quizzes, assignments, tutorials, and presentations, typically alongside final examinations. "The Samarth portal-based system is being implemented so that students can view their internal, practical, and tutorial marks directly on the Samarth portal," the official said, adding, "It will benefit students and ensure transparency. Until now, they had no way of checking these marks and often complained of being marked absent or receiving lower grades without any explanation." The portal-based system will allow students to log in with their credentials and view their marks before the final results are announced. This is the first time such access is being granted, and the university believes it will help reduce confusion and ensure students are better informed about their academic progress.

अमर उजाला

6th May 2025

कम उपस्थिति पर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी, हंसराज कॉलेज ने जारी किया नोटिस

कॉलेज प्रशासन ने कहा-परीक्षा में बैठने देने का निर्णय कमेटी करेगी

बीते साल शहीद भगत सिंह कॉलेज ने 690 छात्रों के परीक्षा देने पर रोक लगाई थी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं का दौर शुरू होने वाला है। कॉलेज कम उपस्थिति पर छात्रों को परीक्षा में बैठने से रोक सकती है। डीयू के हंसराज कॉलेज ने सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होने से पहले स्पष्ट किया है कि छात्रों की कम उपस्थिति पर उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इस संबंध में कॉलेज की ओर से एक नोटिस निकाला गया है। हंसराज कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. रमा की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार सेमेस्टर-2 के जिन विद्यार्थियों की कुल उपस्थिति 66. 67 प्रतिशत से कम है, उन्हें आगामी सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रिंसिपल ने बताया कि अभी हमने नोटिस जारी किया है। अब देखा जाएगा कि कितने छात्र कम उपस्थिति को लेकर अपने विभाग में पहुंचते हैं। अभी हमारे पास कम

उपस्थिति वाले छात्रों की कुल संख्या नहीं आई है।

उन्होंने कहा कि किस कारण से छात्र की उपस्थिति कम रही, इसको देखा जाएगा। परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए या नहीं, इस संबंध में अंतिम फैसला कॉलेज कमेटी ही करेगी। मालूम हो कि बीते साल शहीद भगत सिंह कॉलेज ने लगभग 690 छात्र-छात्राओं के परीक्षा देने पर रोक लगा दी थी। कुछ छात्रों पर एक पेपर, कुछ पर दो तो कुछ पर सभी पेपरों की परीक्षा देने पर रोक लगाई गई थी। ब्यूरो

RAMANUJAN COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI EMPOWER TRANSFORM DISCOVER

7th May 2025

दैनिक जागरण

स्थगित हो सकती है सीयूईटी-यूजी, नई तिथियां जल्द

नई दिल्ली : विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)- यूजी की आठ मई को शुरू होने वाली परीक्षा स्थगित हो सकती है। नई तिथियों की घोषणा शीघ्र होने की संभावना है। यह प्रवेश परीक्षा गुरुवार को शुरू होने वाली थी, लेकिन एजेंसी ने अब तक विषयवार डेटशीट की घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी आयोजित करने का कार्य हाल ही में पूरा किया है, जो पिछले वर्ष जांच के दायरे में थी और परीक्षा की शुचिता को लेकर सवाल उठे थे। सूत्र ने बताया, 'परीक्षा स्थगित होने की संभावना है और नई तिथियों की घोषणा जल्द की जाएगी।' (प्रेट्र)

UNIVERSITY OF DELHI DISCOVER

हिन्दुस्तान

7th May 2025

डीयू में कश्मीरी छात्रों से निजी जानकारी मांगने पर विवाद

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली विश्वविद्यालय में जम्मू-कश्मीर के छात्रों से उनके पते, संपर्क नंबर, ईमेल और पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी मांगे जाने का जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) ने विरोध किया है। इस बारे में मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर निर्देश को वापस लेने की मांग की है।

संगठन ने इसे भेदभाव पूर्ण व समुदाय विशेष की निगरानी की कोशिश बताते हुए कहा है कि यह छात्रों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रहा है। संगठन का कहना है कि देश के किसी और राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के छात्रों से ऐसी जानकारी नहीं मांगी जा रही है, जो मूल अधिकारों का उल्लंघन है। जेकेएसए ने यह भी कहा है कि विश्वविद्यालय के पास पहले से ही छात्रों की जानकारी उपलब्ध है, ऐसे में दुबारा जानकारी मांगने का कोई

प्रशासन ने किया बचाव

डीयू प्रशासन ने आदेश का बचाव किया है। डीयू की प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि यह कदम छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय से प्राप्त खुफिया इनपुट के बाद यह जानकारी कॉलेजों से मांगी गई थी। इसका मकसद कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा हो सकता है।

अमर उजाला

8th May 2025

डीयू में पीजी में दाखिले की रेस अगले सप्ताह से

दिवसीयूईटी पीजी का रिजल्ट जारी होने के बाद दाखिला समिति ने तैयारी शुरू की

पीजी के पोर्टल पर जाकर करना होगा पंजीकरण, कॉलेज व विभाग का चयन करना होगा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 82 स्नातकोत्तर कोर्सेज (पीजी) की 13 हजार से अधिक सीटों पर दाखिले का इंतजार समाप्त हो गया है। एनटीए ने सीयूईटी पीजी का रिजल्ट जारी कर दिया है।अव स्नातकोत्तर प्रोग्राम की दाखिला प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरु होगी। रिजल्ट जारी होने के बाद दाखिला समिति ने इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी है। अब तक यह प्रक्रिया सीयूईटी पीजी रिजल्ट के इंतजार में अटकी हुई थी डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि सीयूईटी पीजी का रिजल्ट जारी होने के बाद दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अगले सप्ताह के तक दाखिला पोर्टल को लॉन्च किया जाएगा। इसके तहत ही यह भी जारी किया जाएगा कि कब तक छात्रों को पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करना है। दाखिला प्रक्रिया बीते साल की तरह ही है, इसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। पीजी प्रोग्राम के लिए पोर्टल पर पंजीकरण कराकर उम्मीदवारों को कॉलेज व विभाग का चयन करना होगा। पीजी कोर्सेज के लिए दाखिले का दूसरा चरण भी जल्द शुरू होगा। जिसमें कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के तहत सीटों का आवंटन किया जाएगा। डीयू के नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीवेव) के सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट (सीयूईटी पीजी) में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा। वहीं स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में प्रवेश एक जून से शुरू होंगे। इसमें संभूईटी पीजी का स्कोर जरूरी नहीं है। बता दें कि कि डीयू की ओर से पीजी प्रोग्राम में दाखिले के लिए कोर्स व सीट की जानकारी के लिए इंफमिशन बुलेटिन पहले ही जारी कर दिया गया था। सीयूईटी पोजी की परीक्षाएं 13 मार्च से एक अप्रैल तक हुई थी।

हिन्दुस्तान

9th May 2025

छात्रों को अपनी जड़ों के साथ जुड़े रहना चाहिए'

नई दिल्ली। डीयू के महाराजा अग्रसेन कॉलेज के वार्षिक उत्सव के अवसर पर भारत सरकार में कॉर्पोरेट अफेयर और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि छात्र प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का लाभ उठाकर देश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर संजीव कुमार तिवारी ने बताया कि अंतिम वर्ष में 68 फीसदी से अधिक छात्रों ने विशेष योग्यता के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की।

अमर उजाला

13th May 2025

अब डीयू में सुधारात्मक कक्षाएं लगाने की तैयारी

शनिवार व रविवार को शाम 6 से रात 8 बजे तक कक्षाएं लगाने की योजना

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। अब दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूलों की तरह सुधारात्मक कक्षाएं लगेंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय क्यूम्युलेटिव मार्क्स इम्प्रूवमेंट स्कीम के तहत कॉलेज के बाद के समय में इन कक्षाओं को लगाने की तैयारी कर रहा है। जो छात्र बीते सेमेस्टर परीक्षाओं में अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं कर सके, वह अपने अंकों के सुधार के लिए. इन कक्षाओं का लाभ ले सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य अच्छे अंक प्राप्त न करने वाले छात्रों को अपने अंकों में सुधार करने का अवसर देना है।

यह कक्षाएं शनिवार व रविवार को शाम 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित होंगी। इन कक्षाओं की लेने पर शिक्षकों को अतिरिक्त मानदेय भी मिलेगा। बीते साल इस योजना के प्रस्ताव को मंजूर करके अधिसूचित कर दिया था। लेकिन सेमेस्टर कक्षाओं के समय टकराव के कारण छात्र इन कक्षाओं का लाभ नहीं ले सके। अब दक्षिणी कैंपस के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर इसे शनिवार व रविवार को शाम के समय में शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है ।

अच्छे अंक प्राप्त न करने वाले छात्रों को सुधार करने का अवसर देना योजना का उद्देश्य

बीते माह कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ हुई बैठक में इसे पेश किया गया। इसके तहत जो छात्र किसी कोर्स को पास कर चुकें हैं और अब अपने अंक सुधारना चाहते हैं तो उन्हें उसी कोर्स में दुबारा पंजीकरण कराना होगा । इसमें उनके आंतरिक मूल्यांकन के पहले वाले अंक तो माने जाएंगे लेकिन दुबारा पढ़ाई करके असाइनमेंट और कक्षा परीक्षण के करने होंगे। अंक प्राप्त इन सुधारात्मक कक्षाओं का लाभ लेने के लिए गूगल फॉर्म या प्रोफार्मा भरकर कॉलेज को सूचित करना होगा। इसके लिए छात्रों से 100 रुपये का शुल्क लिए जाने की संभावना है। कॉलेज अपने हिसाब से भी समय तय कर सकते हैं। इस प्रस्ताव को लेकर शिक्षक काफी असमंजस में हैं। शिक्षकों का कहना है कि यह सुविधा छात्रों से शुल्क वसूलने वाली बन सकती है।

सम या विषम सेमेस्टर में अंक सुधारने का मिलेगा अवसर

अंक सुधारने का अवसर छात्रों को अगले संबंधित सम या विषय सेमेस्टर के लिए मिलेगा। मसलन यदि किसी छात्र के पहले सेमेस्टर में अच्छे अंक नहीं हैं तो वह इन्हें सुधारने के लिए तीसरे सेमेस्टर में सुविधा का लाभ ले सकते हैं। जिन छात्रों की एसेंशियल रिपीट यानी आवश्यक दोहराव (ईआर) आएगी, ऐसे छात्र जब तक पास नहीं होंगे तब तक उन्हें सुधार करने का अवसर मिलता रहेगा।

अमर उजाला

19th May 2025

डीयू में बीते वर्षों में हुए प्रवेश की जांच की मांग

शनिवार व रविवार को शाम 6 से रात 8 बजे तक कक्षाएं लगाने की योजना

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कॉलेजों/विभागों में यूजी, पीजी, पीएचडी, बीएड, एमएड सहित दूसरे पाठ्यक्रमों में एससी, एसटी, ओबीसी पीडब्ल्यूडी, ईडब्ल्यूएस व सामान्य सीटों पर बीते वर्षों में हुए दाखिले को लेकर जांच की मांग की गई है। इस संबंध में फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन व पूर्व डीयू दाखिला कमेटी के सदस्य डॉ. हंसराज सुमन ने डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह को पत्र लिखा है।

चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन के अनुसार इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन डीयू के विभागों व कॉलेजों के प्रिंसिपल / संस्थानों के निदेशकों को सर्कुलर जारी कर उनसे पिछले पांच वर्षों के आंकड़े मंगवाकर उनकी जांच करवाए।

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन ने लिखा पत्र

इससे पता चलेगा कि गत वर्षों में कॉलेजों ने अपने यहां स्वीकृत सीटों से ज्यादा एडमिशन दिए । लेकिन उन्होंने सामान्य सीटों एवज में एससी / एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस व पीडब्ल्यूडी कोटे की सीटों को नहीं भरा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, कुछ कॉलेज यूजीसी व शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आरक्षण संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करते। यूजीसी से आरक्षित श्रेणी के छात्रों की कॉलेजों द्वारा स्वीकृत सीटों पर प्रवेश न देने पर उनका अनुदान बंद करने की मांग की हैं। डीयू के कॉलेजों में हर साल स्वीकृत सीटों से 10 फीसदी ज्यादा दाखिला लेते हैं। कॉलेज अपने स्तर पर 10 फीसदी सीटें बढ़ा लेते हैं ।

हिन्दुस्तान

20th May 2025

महिला कॉलेज के सामने बना पुरुष शौचालय तोड़ा

नई दिल्ली, प्र.सं.। डीयू से संबद्ध लक्ष्मीबाई कॉलेज के सामने स्थित पुरुष शौचालय को छात्राओं ने सोमवार को ध्वस्त कर दिया । शौचालय को लेकर छात्राओं द्वारा लंबे समय से आपत्ति . जताई जा रही थी । शौचालय कॉलेज के प्रवेश द्वार के सामने होने के कारण छात्राओं को हर रोज असहजता और असुविधा का सामना करना पड़ता था । एबीवीपी ने कहा है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित प्रशासनिक इकाइयों का ध्यान आकृष्ट किया गया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की छात्राओं ने संयुक्त रूप से शौचालय को ध्वस्त कर दिया । चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन के अनुसार इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन डीयू के विभागों व कॉलेजों के प्रिंसिपल / संस्थानों के निदेशकों को सर्कुलर जारी कर उनसे पिछले पांच वर्षों के आंकड़े मंगवाकर उनकी जांच करवाए।

डीयू से संबद्ध लक्ष्मीबाई कॉलेज के सामने स्थित पुरुष शौचालय को सोमवार को ध्वस्त कर दिया गया।

एबीवीपी ने कहा है कि संगठन और कॉलेज की छात्राओं ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की।

RAMANUJAN COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI EMPOWER TRANSFORM DISCOVER

हिन्दुस्तान

20th May 2025

डूटा का 23 को धरना, कक्षाएं स्थगित रहेंगी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने 23 मई को कुलपति कार्यालय के द्वार संख्या एक के सामने धरना देने की घोषणा की है। यह धरना प्रातः 9:30 बजे आरंभ होगा। डूटा ने स्पष्ट किया है कि धरने के दिन विश्वविद्यालय की कक्षाएं आयोजित नहीं की जाएंगी। संघ ने सभी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय विभागों के प्राध्यापकों से इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की है। डूटा का यह आंदोलन प्राध्यापकों की अनेक लंबित मांगों को लेकर किया जा रहा है।